Date 13-April-2021 Page no.

पाठ-2 सफलता की कुंजी

शब्द	-	अर्थ
सामंजस्य	-	तालमेल
प्रमादी	-	लक्ष्य की प्राप्ति में शिथिलता बरतने वाला
यत्किंचित	-	थोड़ा
परिभ्रमण	-	एक ही परिधि में घूमना
उपेक्षा	-	तिरस्कार का भाव
सुघन्य	-	श्रेष्ठ
कुमार्ग	-	जिन कार्यों को करने से मनुष्य का पतन होता है
मनोयोग	-	संपूर्ण रूप से

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(क) कोई कृति कब गौरव-गरिमा का परिचय दे सकेगी?

उ०=क यदि कोई कृति पूरे मनोयोग के साथ - स प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर की गई होगी तब व

Date Page no.

गौरव - गरिमा का परिचय दे सकेगी।

(ख) किस प्रकार के लोग अपने - अपने क्षेत्रों में बाजी मारते हैं?

उ०=ख वे लोग जिन्होंने अपने प्रतिभा को बढ़ाया और उसे सही अवसर पाकर सही काम में लगा दिया, ऐसे लोग अपने - अपने क्षेत्रो में बाजी मारते हैं।

(ग) समय के साथ काम करने वाली दो शक्तियाँ कौन - कौन सी हैं?

उ०=ग समय के साथ काम करने वाली दो शक्तियाँ चिंतन और क्षमता है।

(घ) समय का दुरुपयोग कब किया माना जाता है?

उ०=घ जब हमारे हाथ में काम कुछ और है और विचार प्रवाह किसी अन्य दिशा में बह रहा है, तो ऐसी दशा में काम और विचार आपस में मिले - जुले नहीं होते है, जिसमें समय का दुरुपयोग होता है।

Date   Page no.

प्र०5. - किस प्रकार से किए गए कार्य अपनी सुघड़ता का परिचय देते हैं?

उ० यदि किसी कार्य को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर पूरे मनोयोग के साथ किया जाय तो ऐसे कार्य अपनी सुघड़ता का परिचय देते है।

प्र०6- समय के सदुपयोग को अपनाने के क्या लाभ होते हैं?

उ० - समय के सदुपयोग को अपनाने से बहुत लाभ होते है। यह हमारे ज्ञान को बढ़ाता है और सर्वतो-मुखी प्रगति में सहायक सिद्ध होता है।

Good
18 May 21